मप्र आईएएस एसोसिएशन के सदस्यों ने सीएम से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा

जांच के लिये एसआईटी गठित, हर सप्ताह पुलिस कमिश्नर को देगी रिपोर्ट

रिटायर्ड आईएएस राकेश अग्रवाल की हत्या का मामला

भोपाल (एजेंसी)। रिटायर्ड आईएएस राकेश अग्रवाल की ३० सितंबर को बेरहमी से की हत्या के मामले में फरार आरोपी केयरटेकर वरुण कुमार करीब २२ दिन बाद भी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका है। अब मामले की जॉच के लिये राज्य सरकार के हस्तक्षेप के बाद भोपाल पुलिस कमिश्नर ने विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित की है। जानकारी के अनुसार बुधवार शाम मप्र आईएएस एसोसिएशन के अध्यक्ष मनु श्रीवास्तव और सदस्य वीएस चौधरी कोलसानी ने सीएम से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा था।

इसमें राकेश हत्याकांड में सुपारी किलिंग की आशंका जताते हुए जांच की मांग की गई थी। इसके बाद डीजीपी कैलाश मकवाणा के निर्देश पर भोपाल पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने रात ९ बजे एसआईटी के गठन के आदेश जारी किए। एसआईटी को फरार आरोपी को शीघ्र ही गिरफ्तार करने का टारगेट दिया गया है। ५ सदस्यीय एसआईटी की कमान पीएचक्यू के एआईजी उमेश तिवारी को सौंपी गई है। वहीं चंद्रभान सिंह चढ़ार, एएसपी क्राइम ब्रांच, पारस सोनी और ओपी रघुवंशी, एसआई, निलेश वर्मा, आरक्षक टेक्निकल शाखा को भी इसमें शामिल किया गया है। एसआईटी इस मामले की जांच की प्रोग्रेस रिपोर्ट हर सप्ताह पुलिस आयुक्त को देगी।

– ३० सितंबर की रात हुई थी हत्या

उल्लेखनीय है की रिटायर्ड आईएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल की ३० सितंबर २०२६ को भोपाल के रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित सूरज नगर में उनके मकान में हत्या कर दी गई थी। शुरुआती जांच में सामने आया था कि वारदात रात करीब २ से ३ बजे के बीच हुई। सुबह जब उनकी पत्नी की नींद खुली तो उनके कमरे का दरवाजा बाहर से बंद मिला। उन्होंने दूसरे केयरटेकर अमर थापा को बुलाया। दरवाजा खुलने के बाद राकेश अग्रवाल के कमरे की जांच की गई तो वे मृत मिले। उनका गला धारदार हथियार से रेता गया था।

– कुछ दिन पहले रखा गया केयर टेकर हत्या के बाद से लापता

जांच के दौरान पुलिस की राडार पर उनका केयरटेकर वरुण कुमार आ गया, जिसे घटना से कुछ दिन पहले ही एक एजेंसी के माध्यम से राकेश अग्रवाल की देखभाल के लिए काम पर रखा गया था। हत्या के बाद वरुण कुमार घर से गायब हो गया। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की थी। जो अभी तक पुलिस की पकड़ से बाहर है।

कछपुरा मां काली पंडाल से महिला के गले से सोने की चेन खींची

जबलपुर, (एजेंसी)। लार्डगंज थाना अतंर्गत कछपुरा महाकाली पंडाल में मां के दर्शन करने गई एक महिला के गले से सोने की चेन अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। लार्डगंज पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार वृंदावन स्टेट पटेल नगर सुहागी निवासी ४६ वर्षीय श्रीमति सुनीता पांडे गत १७ अक्टूबर को अपने पुत्र अभिजीत के साथ मातारानी के दर्शन करने गई थीं रात लगभग १० बजे कछपुरा महाकाली पंडाल पहुॅची तथा लगभग ११ बजे पंडाल से बाहर आयी तो देखी गले में पहनी हुयी सोने की चेन नहीं थी जिसे अज्ञात चोर चोरी कर ले गया चोरी गए सोने की चेन वजनी १३.६५० ग्राम की नहीं थी। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा ३०३(२) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

भगवान का अपमान और अशुद्ध सोने का झांसा देकर महिला से ठगी

सोने के जेवर और आईफोन लेकर भागे दो बदमाश

जबलपुर, (एजेंसी)। शहर में ठगी करने वाले बदमाश अब धार्मिक भावनाओं और परिवार की परेशानियों का हवाला देकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। ओमती थाना क्षेत्र में दो अज्ञात व्यक्तियों ने ५६ वर्षीय महिला को बातचीत में उलझाकर सोने के जेवर, पर्स और आईफोन ठग लिया। आरोपियों ने महिला के आभूषणों को अशुद्ध बताकर उन्हें शुद्ध करने का झांसा दिया और मौका मिलते ही मोटरसाइकिल से फरार हो गए। पुलिस ने शिकायत पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, साउथ सिविल लाइंस स्थित रब्स हाइट्स निवासी मधु टहिलियानी २१ अक्टूबर की सुबह करीब ७:१५ बजे घर से टहलने निकली थीं। करीब ७:३५ बजे जब वह नौदरा चौक के पास शिवालय होटल के नजदीक पहुंचीं, तो पीली टी-शर्ट और नीली जींस पहने एक व्यक्ति ने उनसे डॉक्टर शीतला का पता पूछा। उसने बताया कि उसे अपनी मां का इलाज कराना है। इसी बीच सफेद शर्ट पहने एक अन्य व्यक्ति भी वहां पहुंच गया।

बातचीत के दौरान पहले व्यक्ति ने खुद को हरिद्वार से आया हुआ बताते हुए भगवान महावीर के अपमान की बात छेड़ी। इसके बाद दोनों को अपनी बातों में उलझाकर पानी की दो बोतलें मंगवाईं। पानी पीने के बाद उसने सफेद शर्ट पहने व्यक्ति के हाथ पर पानी डालकर उसे पर्स पकड़ाया और ११ कदम चलकर वापस आने को कहा। इसके बाद उसने मधु से कहा कि उनके सोने के आभूषण अशुद्ध हैं और उन्हें शुद्ध करने के लिए उतारकर पर्स में रखना होगा।

उसकी बातों में आकर मधु ने हाथ के कड़े, गले की सोने की चेन, लॉकेट और अंगूठी उतारकर पर्स में रख दिए। पर्स में उनका आईफोन-१५ भी रखा हुआ था। आरोपियों ने पर्स सफेद शर्ट पहने व्यक्ति के हाथ में रखवा दिया और महिला को ५१ कदम आगे जाने के लिए कहा। मधु अभी कुछ ही कदम चली थीं कि पीछे मुड़कर देखा तो दोनों आरोपी मोटरसाइकिल पर सवार होकर भाग रहे थे।

महिला ने एक एक्टिवा चालक की मदद से आरोपियों का पीछा करते हुए तीन पत्ती तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन दोनों का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने ओमती थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा ३१८(४) और ३(५) के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास के क्षेत्र में आरोपियों की पहचान और उनकी तलाश के लिए जांच कर रही है।

रेपिडो चालक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल (एजेंसी)। एमपी नगर थाना इलाके के शिवाजी नगर स्थित झुग्गी बस्ती में रहने वाले रेपिडो चालक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सुबह के समय जब उसकी मां कमरे में पहुंची तो उसे बेटे का शरीर फंदे पर लटका नजर आया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक २९ वर्षीय रोहित वर्मा पिता देवदास वर्मा रैपिडो चलाने के साथ ही दिन में चाय बेचने का काम भी करता था। बुधवार रात वह घर आकर खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने के लिये चला गया था। अगली सुबह जब वह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आया तब उसकी मां उसे देखने के लिये कमरे में पहुंचीं। वहॉ रोहित का शरीर फंदे पर लटका मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

मेधावी विद्यार्थियों को २५ हजार रुपये नाकाफी, खर्च पहुंचा ८० हजार तक

भोपाल, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में १२वीं के मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए दी जाने वाली २५ हजार रुपये की सहायता राशि नाकाफी होने की बात अब खुलकर की जा रही है। दरअसल वर्ष २००९ में शुरू की गई प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत सहायता राशि अब तक नहीं बढ़ाई गई, जबकि लैपटॉप की कीमत, तकनीकी क्षमता और उच्च शिक्षा की जरूरतों में बड़ा बदलाव आया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस योजनांतर्गत इस वर्ष करीब १.२२ लाख विद्यार्थियों के खातों में कुल ३०४.९८ करोड़ रुपये हस्तांतरित किए जाने की जानकारी दी गई है। लेकिन विद्यार्थियों और कंप्यूटर विक्रेताओं के अनुसार, इंजीनियरिंग, प्रोग्रामिंग, डिजाइन और अन्य तकनीकी पाठ्यक्रमों के लिए आवश्यक लैपटॉप का खर्च ४५ हजार से ८० हजार रुपये या इससे अधिक तक पहुंच सकता है। योजना का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना और डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराना है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष २०२६ में करीब १.२२ लाख विद्यार्थियों को ३०४.९८ करोड़ रुपये, वर्ष २०२५ में ९४,२३४ विद्यार्थियों को २३५.५८ करोड़ रुपये और वर्ष २०२३-२४ में ८९,७१० विद्यार्थियों को २२४.२७ करोड़ रुपये दिए गए।

लाभार्थियों की संख्या बढ़ने से सरकार का कुल व्यय बढ़ा है, लेकिन प्रति विद्यार्थी सहायता राशि २५ हजार रुपये पर ही बनी हुई है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या करीब १७ साल पहले तय की गई राशि आज की शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है?

सामान्य पढ़ाई और तकनीकी पाठ्यक्रम की जरूरत अलग

कंप्यूटर विक्रेताओं के अनुसार, ८ जीबी रैम और २५६ जीबी स्टोरेज वाले लैपटॉप की कीमत सामान्यतः ४० से ५० हजार रुपये के आसपास हो सकती है। वहीं, १६ जीबी रैम और ५१२ जीबी स्टोरेज वाले कई मॉडल ६० हजार रुपये से अधिक कीमत पर उपलब्ध हैं। कुछ उच्च क्षमता वाले मॉडल ९० हजार रुपये से भी महंगे हैं। वहीं सामान्य पढ़ाई, इंटरनेट, ऑनलाइन कक्षाओं और दस्तावेज तैयार करने के लिए कम कीमत वाला लैपटॉप पर्याप्त हो सकता है, लेकिन इंजीनियरिंग, प्रोग्रामिंग, डिजाइन, डेटा विश्लेषण और कुछ कृत्रिम बुद्धिमत्ता संबंधी कार्यों के लिए अधिक क्षमता वाले प्रोसेसर, अतिरिक्त रैम या बेहतर ग्राफिक्स की जरूरत पड़ सकती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि लैपटॉप की आवश्यकता पाठ्यक्रम और इस्तेमाल किए जाने वाले सॉफ्टवेयर पर निर्भर करती है। इसलिए सभी विद्यार्थियों के लिए एक समान तकनीकी जरूरत मानना उचित नहीं होगा।

विद्यार्थियों के परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ

जब लैपटॉप की वास्तविक कीमत सरकारी सहायता से काफी अधिक होती है, तो विद्यार्थियों के परिवारों को अपनी जेब से अतिरिक्त राशि खर्च करनी पड़ती है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह अंतर परेशानी का कारण बन सकता है। कुछ परिवार अधिक कीमत वाला नया लैपटॉप खरीदने के लिए अतिरिक्त रकम जुटाते हैं, जबकि कुछ कम कीमत वाले या पुराने उपकरणों से काम चलाने को मजबूर होते हैं। इस स्थिति में योजना का लाभ तो मिलता है, लेकिन विद्यार्थियों की वास्तविक जरूरत और उपलब्ध सहायता के बीच अंतर बना रहता है।

सहायता राशि की समीक्षा जरूरी

योजना की उपयोगिता बनाए रखने के लिए सरकार को मौजूदा बाजार कीमतों, पाठ्यक्रमों की जरूरतों और विद्यार्थियों की आर्थिक स्थिति के आधार पर सहायता राशि की समीक्षा करनी चाहिए।

इसके लिए लैपटॉप की न्यूनतम आवश्यक तकनीकी क्षमता तय करने, सहायता राशि को समय-समय पर संशोधित करने या जरूरत के अनुसार अलग-अलग श्रेणियां बनाने जैसे विकल्पों पर विचार किया जा सकता है।

महाकाली महोत्सव समिति ने जताया आभार

जबलपुर, (ईएमएस)। श्री वृहत महाकाली काली धाम महोत्सव समिति, गढ़ाफाटक ने नवरात्र के नौ दिनों और दशहरा जुलूस के दौरान मिले सहयोग के लिए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, विद्युत विभाग, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक एवं शासकीय अधिकारियों, नगर निगम तथा क्षेत्र के व्यापारी वर्ग के प्रति आभार व्यक्त किया है। समिति के अध्यक्ष शशिकांत गुप्ता (मुन्ना भैया) ने कहा कि महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के कारण कुछ लोगों को असुविधाओं का सामना करना पड़ा। इसके लिए समिति हृदय से क्षमाप्रार्थी है।

गलियों में कचरे का अंबार, सफाई व्यवस्था बेपटरी

कचरा वाहनों के नहीं पहुंचने से रहवासी परेशान

जबलपुर, (एजेंसी)। शहर में स्वच्छता व्यवस्था को दुरुस्त करने के दावों के बीच जवाहरगंज वार्ड की कई गलियां गंदगी से बेहाल हैं। छुट्टू मियां की तलैया के पीछे इसरार लेस के सामने वाली गलियों से लेकर गलगला लाल स्कूल के सामने तक कचरे का ढेर लगा हुआ है। घरों के डस्टबिन भर चुके हैं, लेकिन कचरा उठाने वाले वाहन नहीं पहुंच रहे। ऐसे में गलियां धीरे-धीरे कचरा डंपिंग पॉइंट में तब्दील होती जा रही हैं।

क्षेत्रीय रहवासियों के सामने सबसे बड़ी समस्या नियमित कचरा उठाव नहीं होने की है। घरों में जमा कचरा बाहर निकलकर गलियों तक पहुंच रहा है। जगह-जगह फैली गंदगी से उठने वाली दुर्गंध के कारण लोगों का रहना मुश्किल हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कचरा वाहन नियमित रूप से नहीं पहुंचने के कारण स्थिति लगातार बिगड़ रही है, लेकिन जिम्मेदारों का इस ओर ध्यान नहीं जा रहा।

कचरे में भोजन तलाश रहीं गायें.....

गलगला लाल स्कूल के सामने की गलियों में फैले कचरे के बीच गायें भोजन तलाशती और कचरा खाती नजर आ रही हैं। कचरे में मौजूद सड़े-गले खाद्य पदार्थ और प्लास्टिक उनके स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। इसके बावजूद कचरे के ढेर हटाने और नियमित सफाई कराने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है।

अधिकारी बदल रहे, हालात नहीं.....

नगर निगम में अधिकारियों के बदलने के बावजूद क्षेत्र की सफाई व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा। रहवासियों को उम्मीद है कि जिम्मेदार अधिकारी इन गलियों की स्थिति का निरीक्षण कर नियमित कचरा उठाव सुनिश्चित करेंगे। लोगों की मांग है कि भरे हुए डस्टबिन तत्काल खाली कराए जाएं, गलियों में जमा कचरा हटाया जाए और कचरा वाहनों की नियमित आवाजाही सुनिश्चित की जाए, ताकि वार्डवासियों को गंदगी और दुर्गंध से राहत मिल सके।

पोलियो मुक्त विश्व के संकल्प के साथ जागरूकता रैली कल

जबलपुर, (एजेंसी)। बच्चों को पोलियो से सुरक्षित रखने और समाज में टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट ३२६१ के तत्वावधान में २४ अक्टूबर को जबलपुर में पोलियो जागरूकता रैली निकाली जाएगी। विश्व पोलियो दिवस के अवसर पर आयोजित यह रैली सुबह ८ बजे राइट टाउन स्टेडियम के सामने से प्रारंभ होकर मालवीय चौक पर संपन्न होगी। इसमें शहर के विभिन्न रोटरी क्लबों के सदस्य, स्कूली विद्यार्थी, उनके परिजन और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।रैली के माध्यम से नागरिकों को पोलियो उन्मूलन के महत्व, बच्चों के नियमित टीकाकरण और भावी पीढ़ी को इस बीमारी से सुरक्षित रखने का संदेश दिया जाएगा। आयोजकों का मानना है कि जनभागीदारी और निरंतर जागरूकता के जरिए ही पोलियो मुक्त विश्व के लक्ष्य को मजबूती प्रदान की जा सकती है।

रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट ३२६१ के मध्यप्रदेश डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी रोटे नितिन जैन ने बताया कि पोलियो उन्मूलन रोटरी इंटरनेशनल के प्रमुख वैश्विक अभियानों में शामिल है। इस दिशा में लगातार प्रयास, टीकाकरण के प्रति जागरूकता और समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग बेहद महत्वपूर्ण है।

अभियान में राज्यसभा सांसद एवं पूर्व प्रांतपाल रोटे विवेक तन्खा विशेष सहयोगी की भूमिका निभा रहे हैं। रैली के इवेंट चेयरमैन पूर्व प्रांतपाल रोटे सुनील फाटक, को-चेयर रोटे एन.के. श्रीवास्तव और इवेंट को-ऑर्डिनेटर रोटे अंकुर माहेश्वरी हैं। आयोजन में जबलपुर के सिटी को-ऑर्डिनेटर रोटे एस.पी. सिंह, सभी असिस्टेंट गवर्नर्स तथा शहर के विभिन्न रोटरी क्लबों के अध्यक्ष, सचिव और सदस्य सक्रिय भागीदारी करेंगे।रैली में डिस्ट्रिक्ट ३२६१ के पदाधिकारियों के साथ विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राएं और रोटरी सदस्यों के परिवार भी शामिल होंगे। 'सक्षम', महाकोशल प्रांत के अध्यक्ष डॉ. पवन स्थापक के नेतृत्व में संस्था के सदस्य भी अभियान में सहभागिता करेंगे।आयोजकों ने नागरिकों, युवाओं, अभिभावकों, विद्यार्थियों और सामाजिक संगठनों से रैली में शामिल होने की अपील की है।

गुंडा टैक्स वसूलने और मारपीट की तीन वारदातों में चार घायल

जबलपुर, (एजेंसी)। बेलबाग, मदनमहल और बरगी थाना क्षेत्र में मारपीट की तीन वारदाते सामने आई हैं बेलबाग में पॉलीटेक्निक कॉलेज ग्राउण्ड के पास, मदनमहल में दद्दा परिसर के सामने और बरगी में ग्राम पिपरिया में शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर बदमाशों ने चार युवकों के साथ मारपीट कर चाकू, डंडे से हमला कर घायल कर दिया घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बेलबाग पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीएसएम क्वाटर घंटाघर रोड निवासी २६ वर्षीय हर्षवर्धन सिंह चंदेल गत रात लगभग १० बजे अपने साथी समीर पोपवानी व मुक्कर खान के साथ पॉलीटेक्निक कॉलेज के पास निवासी अनुज खरे से मिलने गए कॉल करने पर अनुज ने उन्हें २० मिनिट रुकने को कहा, जब दोनों अनुज का इंतजार कर रहे थे तभी ग्राउंड में बैठकर शराब पी रहे ललित कालोनी निवासी अभिनव यादव, आर्यन यादव व एक अन्य लड़का आया और तीनों उससे शराब पीने के लिए ७०० रूपये की मांग करने लगे, मना करने पर गाली गलोज करते हुए आर्यन यादव ने उस पर चाकू से और अभिनव यादव ने डंडे से उस पर हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा ११९(१), ११८(१), २९६(बी), ३५१(२), ३(५) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इसी प्रकार मदनमहल में रानीताल दुर्गाजी देखने आए करेली जिला नरसिंहपुर निवासी २१ वर्षीय साफ्टवेयर इंजीनियर हर्ष सेन अपने साथी साहिल पटेल के साथ स्कूटी से होटल जा रहा था, तभी स्कूटी से चल रहे कुछ लड़कों ने साईड के लिए हॉर्न बजाया और दद्दा परिसर के सामने रुकने को कहा, वह दद्दा परिसर के पास रुके तो अज्ञात लड़के शराब पीने के लिये २ हजार रूपये की मांग करने लगे, मना करने पर गाली गलौज करते हुए दोनों के साथ मारपीट कर दी उन्हीं लड़कों में एक ने पीयूष पचौरी नाम के लड़कों को बोला कि छोड़ दो इन्हें जाने दो कहने लगा, तो पीयूष पचौरी अपने साथियों के साथ जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए।

पुरानी रंजिश और विवाद पर वारदातें, तीन घायल

शहर में चाकूबाजी की तीन वारदातें

जबलपुर, (एजेंसी)। शहर में चाकूबाजी की अलग-अलग घटनाओं में तीन युवक घायल हो गए। कोतवाली, माढ़ोताल और गढ़ा थाना क्षेत्रों में हुई इन वारदातों में हमलावरों ने युवकों पर चाकू से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। सभी को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। संबंधित थानों में प्रकरण दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश और घटनाओं की जांच में जुटी है।

दुर्गा दर्शन से लौट रहे युवक पर चाकू से हमला.....

कोतवाली थाना क्षेत्र के पंजाब बैंक कॉलोनी, उखरी निवासी २९ वर्षीय जितेंद्र पटेल पर २१ अक्टूबर की रात हमला किया गया। जितेंद्र आईसीआई बैंक में नौकरी करता है। पुलिस को दिए बयान के मुताबिक, रात करीब ११:३० बजे दुर्गा दर्शन कर घर लौटते समय वह शिवधाम गली स्थित गणेश चौक के पास पहुंचा, जहां उसे मुड़िया नाम का परिचित अपने एक साथी के साथ मिला। दोनों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर साथी ने उसे पकड़ लिया और मुड़िया ने चाकू से वार कर दिया। जितेंद्र बचने के लिए घूम गया, जिससे चाकू उसकी कमर में लगा। घायल होकर गिरने के बाद दोनों आरोपी मौके से भाग निकले। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा २९६(बी), १०९(१) और ३(५) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बजरंग नगर में युवक को चाकू से किया घायल.....

माढ़ोताल थाना क्षेत्र में २४ वर्षीय आदित्य उर्फ रविकांत उर्फ छोटू विश्वकर्मा पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। उसके भाई ऋषिराज विश्वकर्मा ने पुलिस को बताया कि २० अक्टूबर की रात करीब १० बजे बजरंग नगर निवासी आकाश पटेल ने फोन कर सूचना दी कि आदित्य ठाकुर किराना दुकान के सामने खून से लथपथ हालत में बैठा है। मौके पर पहुंचने के बाद उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। अगले दिन होश आने पर आदित्य ने बताया कि वह अपने साथी प्रिंस नामदेव के साथ बजरंग नगर में सरोज साहू की गली गया था। वहां जय नामदेव से विवाद हो गया, जिसके बाद जय ने पेट, कंधे, कान के पीछे सहित शरीर के अन्य हिस्सों में चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने जय नामदेव के खिलाफ धारा १०९(१) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

ट्रांसपोर्ट नगर के मैनेजर पर चाकू से वार.....

गढ़ा थाना क्षेत्र में २२ अक्टूबर की शाम करीब ४:४० बजे उन्नति नगर, परसवाड़ा निवासी ३१ वर्षीय अनुराग पांडे पर हमला किया गया। अनुराग चंडाल भाटा स्थित सीमा रोड लाइंस, ट्रांसपोर्ट नगर में मैनेजर है। उसने पुलिस को बताया कि वह अभिषेक सराफ के घर के सामने बैठा था, तभी दो युवक वहां पहुंचे और चाकू से हमला कर उसकी दोनों जांघों में चोट पहुंचाई। बाद में उनकी पहचान आकाश कोष्टा और हर्ष कोरी के रूप में हुई। अनुराग के अनुसार, उसके दोस्त अभिषेक सराफ का अभिषेक चक्रवर्ती से पुराना विवाद चल रहा है। इसी रंजिश के चलते अभिषेक चक्रवर्ती के दोस्तों पर हमला करने का आरोप है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा १०९(१) और ३(५) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

आग से झुलसी महिला की मौत

जबलपुर, (एजेंसी)। माढ़ोताल थाना अतंर्गत ग्राम नगना पौड़ी में आग से जलने के कारण एक महिला की मौत हो गई पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रात लगभग ९ बजे आग से जलने के कारण ग्राम नगना पौड़ी माढ़ोताल निवासी ४७ वर्षीय श्रीमति दिव्या महेरे पति दिनेश महेरे द्वारा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार दौरान गुरुवार की सुबह लगभग ५ बजे श्रीमति दिव्या महेरे की मौत हो गई।

पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

मझौली में विसर्जन जुलूस के दौरान काल बनकर टूटी हाईटेंशन लाइन, तीन युवकों की मौत, १० झुलसे

बिजली विभाग की लापरवाही पर उठे सवाल, स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था भी कटघरे में

जबलपुर, (एजेंसी)। त्योहारों पर सुरक्षा के इंतजामों को लेकर हर साल निर्देश जारी होते हैं, बैठकें होती हैं और हादसों से सबक लेकर सावधानी बरतने के दावे किए जाते हैं। लेकिन इन दावों की हकीकत मझौली में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुए दर्दनाक हादसे ने उजागर कर दी। देर रात करीब एक बजे बिजली के तारों की चपेट में आने से तीन युवकों की जान चली गई, जबकि दस से अधिक लोग झुलस गए। जिस उत्सव में मां दुर्गा को विदाई देने के लिए लोग एकत्र हुए थे, वहां कुछ ही पलों में चीख-पुकार और अफरातफरी का माहौल बन गया। इस हादसे ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर सुरक्षा संबंधी चेतावनियों और व्यवस्थागत खामियों के बावजूद लोगों की जान जोखिम में क्यों पड़ रही है?

तारों की चपेट में आया विसर्जन जुलूस.....

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिविल लाइन पाठ की दुर्गा प्रतिमा ट्रैक्टर-ट्रॉली में रखकर नरीली तालाब में विसर्जन के लिए ले जाई जा रही थी। प्रतिमा के साथ ५० से अधिक लोग चल रहे थे। जुलूस जब सिविल लाइन के पास पहुंचा, तब रास्ते में झूल रहे बिजली के तार को ऊपर उठाने का प्रयास किया गया। इसी दौरान तार के हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आने से करंट फैल गया। इसके बाद तार टूटकर ट्रैक्टर-ट्रॉली पर गिर गया और उसकी चपेट में आए लोग बुरी तरह झुलस गए। हादसे में ट्रैक्टर पर सवार २२ वर्षीय विकास राजपूत और २३ वर्षीय प्रिंस चौहान की मौके पर ही मौत हो गई। तीसरे युवक ने सुबह अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, मयंक राजपूत, विक्की रैकवार, मनीष राजपूत और आयुष रैकवार सहित कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। घायलों को पहले मझौली स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

चेतावनी के बाद भी क्यों नहीं सुधरी व्यवस्था?.....

इस हादसे का सबसे गंभीर पहलू यह है कि स्थानीय लोगों के मुताबिक, बिजली के तार नीचे झूलने की समस्या पहले भी अधिकारियों के सामने उठाई गई थी। बताया गया कि पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों और आयोजन समिति के सदस्यों की बैठक में इस खतरे की ओर ध्यान दिलाया गया था और तारों को दुरुस्त कराने की बात भी कही गई थी। इसके बावजूद यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो यह महज तकनीकी चूक नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने में हुई गंभीर विफलता का मामला है।सवाल यह है कि जब विसर्जन मार्ग पर बिजली के तारों से खतरे की आशंका पहले से थी, तो समय रहते निरीक्षण क्यों नहीं कराया गया? बिजली विभाग ने तारों को सुरक्षित ऊंचाई पर रखने के लिए क्या कदम उठाए? आयोजन समिति और प्रशासन ने जुलूस रवाना होने से पहले मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित की थी या नहीं? इन सवालों के जवाब जांच के जरिए सामने आने चाहिए।

हादसे के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी सवाल.....

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि हादसे के बाद घायलों को मझौली स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन वहां तत्काल उपचार की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। लोगों के अनुसार, डॉक्टर करीब आधे घंटे बाद पहुंचे। उनका दावा है कि तब तक दो युवकों की मौत हो चुकी थी। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है, लेकिन यदि आपात स्थिति में समय पर चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध नहीं थी, तो यह भी जांच का विषय है। बिजली के करंट से झुलसे मरीजों के मामले में शुरुआती उपचार और त्वरित रेफरल बेहद अहम होते हैं।

पिछले हादसों से सबक आखिर कहां गया?.....

पिछले वर्षों में धार्मिक आयोजनों, जुलूसों और विसर्जन के दौरान हुए हादसों के बाद सुरक्षा को लेकर सावधानियां बढ़ाने पर जोर दिया जाता रहा है। बिजली के तारों की जांच, संवेदनशील मार्गों का निरीक्षण, आपात चिकित्सा व्यवस्था और संबंधित विभागों के बीच समन्वय जैसे उपायों की जरूरत बार-बार सामने आती है। इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह की घटना होना व्यवस्था की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े करता है।त्योहारों के दौरान भीड़ और उत्साह के बीच जोखिम बढ़ जाता है। ऐसे में प्रशासन और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी केवल निर्देश जारी करने तक सीमित नहीं रह सकती। जमीनी स्तर पर यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि विसर्जन मार्ग सुरक्षित हों, बिजली की लाइनें खतरे से मुक्त हों और आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध रहे।मझौली की घटना में तीन परिवारों ने अपने युवा सदस्यों को खो दिया और कई परिवारों के लोग अस्पताल में जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अब जरूरत केवल हादसे पर दुख जताने की नहीं, बल्कि जिम्मेदारी तय करने की है। बिजली के तारों की स्थिति, पूर्व में दी गई शिकायतों, विभागीय कार्रवाई और स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यदि लापरवाही सामने आती है, तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

स्वास्थ्य बीमा क्लेम में कटौती पर कंपनी को झटका

उपभोक्ता आयोग ने ब्याज सहित भुगतान के दिए निर्देश

जबलपुर, (एजेंसी)। स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के बावजूद मोतियाबिंद के ऑपरेशन पर हुए खर्च की पूरी प्रतिपूर्ति नहीं करने के मामले में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग क्रमांक-१, जबलपुर ने यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को सेवा में कमी का दोषी माना है। आयोग ने परिवाद को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए कंपनी को कटौती की गई ६ हजार रुपये की राशि पर ६ प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज देने के साथ मानसिक क्षतिपूर्ति और वाद व्यय के रूप में ५-५ हजार रुपये अदा करने का आदेश दिया है।

प्रकरण के अनुसार, जबलपुर निवासी अरुण कुमार पचौरी ने कंपनी से ५ लाख रुपये सम एश्योर्ड वाली स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी ली थी। पॉलिसी की अवधि के दौरान उनकी पत्नी की दोनों आंखों में मोतियाबिंद होने पर अलग-अलग समय पर सर्जरी कराई गई। दोनों ऑपरेशन पर अस्पताल का बिल ८०-८० हजार रुपये आया। इस तरह कुल चिकित्सा व्यय १ लाख ६० हजार रुपये हुआ।

इलाज के बाद पचौरी ने बीमा कंपनी के समक्ष क्लेम प्रस्तुत किया, लेकिन कंपनी ने प्रत्येक ऑपरेशन के लिए केवल २७ हजार ५०० रुपये स्वीकृत किए। इस प्रकार कुल ५५ हजार रुपये का भुगतान किया गया और शेष दावे की राशि की प्रतिपूर्ति नहीं की गई। इसे अनुचित मानते हुए पचौरी ने अधिवक्ता अरुण जैन के माध्यम से उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर किया।

बीमा कंपनी ने पॉलिसी की शर्तों का दिया हवाला.....

सुनवाई के दौरान बीमा कंपनी ने दलील दी कि इलाज से संबंधित आवश्यक दस्तावेज पूरे नहीं दिए गए थे।

कंपनी के अनुसार, पॉलिसी की शर्तों के तहत रूम रेंट, नर्सिंग और आईओएल